

पद ६४ (हिंदी)

(राग: यमन कल्याण – ताल: त्रिताल)

अंजनी को पूत गाइए मनाइए ॥ध्रु.॥ रामदूत महाबली नाम लेत
बला टली । माणिक कहे रोट लंगोट धूप दे समझायिये ॥१॥